अपने टैलेंट को तराशें और सफलता की उड़ान भरें : प्रो. सुदेश

गोहाना मुद्रिका, 14 अगस्त : महिला विश्वविद्यालय महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह एवं उनकी पुत्री पद्मश्री बहन सुभाषिणी देवी की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा और सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह उद्गार बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने बुधवार को भगत फूल सिंह के 82वें बलिदान दिवस तथा पद्मश्री सुभाषिणी देवी की 110वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए व्यक्त किए।

यह विधि की विडंबना है कि पिता के बलिदान दिवस और बेटी का जन्मदिन, एक ही तिथि को हैं। संस्कारम सभागार में वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि हमें भौतिकता की चकाचौंध में अपना मूल लक्ष्य नहीं भूलना चाहिए, यह उन महान आत्माओं को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वी.सी. ने ओलिम्पिक विजेता मनु भाकर का उदाहरण देते हुए छात्राओं को प्रेरित किया कि वे अपने टैलेंट को तराशें और सफलता की उड़ान भरें। उन्होंने उपस्थित जन से त्याग की भावना विकसित करने और पूर्ण ऊर्जा के साथ मेहनत करने का आह्वान किया।

विद्वता का मानदंड अंग्रेजी नहीं, संस्कृत भाषा हो : डॉ. कौशल

■ महिला विश्वविद्यालय में 3 दिन का संस्कृत समारोह पूर्ण

गोहाना, 14 अगस्त (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के इंस्टीच्यूट ऑफ हायर लर्निंग तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत सप्ताह-2024 के अवसर पर आयोजित 3 दिवसीय संस्कृत समारोह सम्पन्न हो गया।

समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. सी.डी.एस. कौशल पहुंचे। अध्यक्षता डीन आर्ट एंड लैंग्वेजेज प्रो. अशोक वर्मा ने की। मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. विभा अग्रवाल रही। इस अवसर पर 'आधुनिक संस्कृत साहित्य में महिलाओं का योगदान' विषय पर एक व्याख्यान भी आयोजित किया गया।

डॉ. सी.डी.एस. कौशल ने संस्कृत में बोलचाल को व्यक्तित्व विकास में सहायक बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृत का अध्ययन अनिवार्य होना चाहिए।

डॉ. कौशल ने कहा कि आजकल विद्वता का मानदंड अंग्रेजी भाषा को बना दिया गया है, लेकिन भारतीय संदर्भ में यह मानदंड संस्कृत भाषा होनी चाहिए। उन्होंने उपस्थित छात्राओं को जीवन में कम से कम 3 भाषाएं सीखने के लिए प्रेरित किया।

प्रो. अशोक वर्मा ने कहा कि ज्ञान की प्राप्ति श्रद्धा के बगैर संभव नहीं है। अपनी जिज्ञासा बनाए रखें और अपने अंदर के विद्यार्थी को मरने न दें। प्रो. अशोक वर्मा ने साहित्य को भाषाओं के बंधन से परे बताया। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वे आधुनिकता की चकाचौंध में अपनी जड़ों से न कटें।

प्रो. विभा अग्रवाल ने संस्कृत साहित्य के काल विभाजन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्कृत साहित्य रचना में महिलाओं के योगदान को कम नहीं समझना चाहिए। उन्होंने संस्कृत साहित्य में सशक्त योगदान देने वाली महिला साहित्यकारों का उल्लेख भी किया।

इस 3 दिवसीय संस्कृत समारोह के प्रथम दिन पोस्टर मेकिं प्रतियोगिता तथा दूसरे दि श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता आयोजन किया गया। पोस्टर मेकिं में सुशिता ने प्रथम, सुमन ने दू व रोमी ने तीसरा स्थान प्राप्त कि तथा महक व सपना को सांत्व पुरस्कार मिला। वहीं श्लोकोच्चार प्रतियोगिता में अनु ने प्रथम, नेहा दूसरा व पावनी ने तीसरा स्थान प्र किया तथा सोनिया व विनीता सांत्वना पुरस्कार मिला।

महिला विश्वविद्यालय में दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ. सी.डी.एस. कौशल (अरोड़ा)

रैगिंग गरिमा और अधिकारों का उल्लंघन: डॉ. अनु

एंटी रैगिंग पर तैयार पोस्टर दिखाती छात्राएं। (अरोड़ा)

गोहाना, 14 अगस्त (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अनु बल्हारा ने कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है जो व्यक्तियों की गरिमा और अधिकारों का उल्लंघन करता है। उन्होंने सीनियर छात्राओं से नव आगंतुक छात्राओं को विभाग और हॉस्टल में प्रेरणादायी और खुशहाल वातावरण प्रदान करने की बात कही।

डॉ. सुमन और एंटी रैगिंग समिति की समन्वयक डॉ. पूनम पूनिया ने रैगिंग के दुष्परिणामों के बारे में बताया। उन्होंने छात्राओं को रैगिंग से संबंधित शॉर्ट फिल्म भी दिखाई। डॉ. पूनम ने यू.जी.सी. द्वारा चलाई गई इस मुहिम के अंतर्गत युवा केंद्र और हैल्पलाइन नंबर व ई-मेल आई.डी. की जानकारी भी दी।

स्लोगन लेखन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में स्नेह ने प्रथम, प्रिया ने दूसरा तथा किरण ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में यशवंत ने प्रथम, रजनी देवी ने दूसरा एवं मनीषा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर डॉ. सुमन दलाल, डॉ. प्रिया धींगड़ा, डॉ. सरला, डॉ. मोनिका, डॉ. सुशील, डॉ. पूनम आदि उपस्थित रहे।

छात्राएं अपने टैलेंट को तराशें और सफलता की उड़ान भरें: प्रो. सुदेश

वी.सी. प्रो. सुदेश बहन सुभाषिणी के प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए। (अरोड़ा)

गोहाना, 14 अगस्त (अरोड़ा): महिला विश्वविद्यालय महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह एवं उनकी पुत्री पद्मश्री बहन सुभाषिणी देवी की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा और सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है।

यह उद्गार बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने बुधवार को भगत फूल सिंह के 82वें बलिदान दिवस तथा पद्मश्री सुभाषिणी देवी की 110वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए व्यक्त किए।

यह विधि की विडंबना है कि पिता के बलिदान दिवस और बेटी का जन्मदिन, एक ही तिथि को हैं। संस्कारम सभागार में वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि हमें भौतिकता की चकाचौंध में अपना मूल लक्ष्य नहीं भूलना चाहिए, यह उन महान आत्माओं को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वी.सी. ने विश्वविद्यालय समुदाय का आह्वान किया कि टीम भावना से काम करते हुए संस्थान को विकास की ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

प्रो. सुदेश ने ओलिम्पिक विजेता मनु भाकर का उदाहरण देते हुए छात्राओं को प्रेरित किया कि वे अपने टैलेंट को तराशें और सफलता की उड़ान भरें। उन्होंने उपस्थित जन से त्याग की भावना विकसित करने और पूर्ण ऊर्जा के साथ मेहनत करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात छात्राओं ने भगत फूल सिंह एवं पद्मश्री सुभाषिणी देवी के जीवन संस्मरणों को शब्द चित्र एवं नाटिका के माध्यम से जीवंत किया। वी.सी. ने पद्मश्री सुभाषिणी देवी शोध पीठ के तत्वावधान में रचित पत्रिका सुभाषिता का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम में प्रो. संकेत विज, प्रो. श्वेता सिंह, प्रो. इप्शिता बंसल, डॉ. नीलम मलिक, प्रो. अशोक वर्मा, प्रो. रविभूषण व डॉ. सुमन दलाल, डॉ. महेश कौशिक आदि भी मौजूद रहे।

Hindi News

भौतिकता की चकाचौंध में अपना मूल लक्ष्य न भूलेः कुलपति प्रो सुदेश

महिला विवि में संस्कार सम्मान समारोह आयोजित।

Girish Saini Aug 14, 2024 10:32

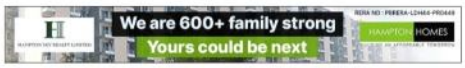

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। बीपीएस महिला विवि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह एवं उनकी पुत्री पद्मश्री बहन सुभाषिणी देवी की तपोस्थली है। यह विवि उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह उद्गार भगत फूल सिंह महिला विवि की कुलपति प्रो सुदेश ने बुधवार को भगत फूल सिंह के 82वें बलिदान दिवस तथा पद्मश्री सुभाषिणी देवी की 110वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए व्यक्त किए।

विवि के शैक्षणिक खंड-1 स्थित संस्कारम सभागार में आयोजित संस्कार सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं समन्वय के साथ नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के मूल उद्देश्य को पूरा करने के लिए विवि प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि हमें भौतिकता की चकाचौंध में अपना मूल लक्ष्य नहीं भूलना चाहिए, यही उन महान आत्माओं को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कुलपति प्रो सुदेश ने अपने प्रभावशाली संबोधन में ओलंपिक विजेता मनु भाकर का उदाहरण देते हुए छात्राओं को प्रेरित किया कि वे अपने टैलेंट को तराशें और सफलता की उड़ान भरें। उन्होंने उपस्थित जन से त्याग की भावना विकसित करने और पूर्ण ऊर्जा के साथ मेहनत करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात छात्राओं ने भगत फूल सिंह एवं पद्मश्री सुभाषिणी देवी के जीवन संस्मरणों को शब्द चित्र एवं नाटिका के माध्यम से जीवंत किया। छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुत जोशीले नृत्य ने उपस्थित जन का मन मोह लिया।

इस दौरान कुलपति प्रो सुदेश ने पद्मश्री सुभाषिणी देवी शोध पीठ के तत्वावधान में रचित पत्रिका -सुभाषिता का विमोचन भी किया।

डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो संकेत विज, कार्यवाहक कुलसचिव प्रो श्वेता सिंह, प्रो इप्सिता बंसल, प्रो अशोक वर्मा, प्रो रविभूषण व डॉ सुमन दलाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम संचालन का दायित्व डॉ महेश कौशिक ने बखूबी निभाया।

इससे पहले प्रातःकाल विवि यज्ञशाला में आयोजित हवन-यज्ञ कार्यक्रम में कुलपति प्रो सुदेश तथा प्रो हवा सिंह ने मुख्य यजमान के रूप में आहुति डाली। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराया। हवन के पश्चात कुलपति व अन्य अतिथियों ने विवि परिसर स्थित भगत फूल सिंह एवं पद्मश्री सुभाषिणी देवी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान बहन कमला देवी, शान्ती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो संकेत विज, कार्यवाहक कुलसचिव प्रो श्वेता सिंह, चीफ वार्डन डॉ सुमन दलाल, उपकुलसचिव डॉ नीलम मलिक, कन्या गुरुकुल की प्राचार्या सुमित्रा सिंह सहित विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी, गैर शिक्षक कर्मचारी एवं छात्राएं मौजूद रहीं।

Tags: basic goal materialism VC Prof Sudesh

PREVIOUS ARTICLE
Solar rooftop systems to be installed on all govt buildings in Andhra

NEXT ARTICLE
Telangana is competing with the world: Revanth Reddy

RELATED POSTS

हिंदू कॉलेज में मतदान ड्राइव आयोजित

हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली

ओलंपिक खिलाड़ियों के राज्य स्तरीय सम्मान समारोह की तैयारियां...

COMMENTS

Name
Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Paris Olympics: CAS likely to hear Vinesh Phogat's appeal...

RRP Electronics got nod from Government of Maharashtra...

Kolkata doctor murder: Why Sandip Ghosh was not put on...

Akhilesh opposes Waqf Bill, expresses 'concern' over Speaker's...

16th season of Kaun Banega Crorepati on Sony Entertainment...

FOLLOW US

Facebook X (Twitter) Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion

Poor upbringing of boys to be blamed for incidents like...

Elections in J&K welcome but UT status an affront to people:...

'India need not learn from Pakistan', Khurshid challenges...

IANS Interview: B'desh will turn into another Pak if BNP-Jamaat...

Suffering from high BP? Eating fruits and vegetables may...

IANS Interview: Astonished by Rahul Gandhi's low-level...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed by: TechieFormation

Terms & Conditions Privacy Policy

Hindi News

पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान के साथ दिल से जुड़ेः कुलपति प्रो सुदेश

कहा, राष्ट्र ध्वज एक भारत-श्रेष्ठ भारत का प्रतीक।

Girish Saini Aug 14, 2024 08:06

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भगत फूल सिंह महिला विवि में कुलपति प्रो सुदेश ने पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया।

कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि हम सभी को पर्यावरण की बेहतरी के लिए पौधारोपण अभियान के साथ दिल से जुड़ना होगा। उन्होंने वर्तमान दौर में पेश आ रही पर्यावरणीय चुनौतियों के दृष्टिगत पौधारोपण को समय की जरूरत बताया। कुलपति ने छात्राओं को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने तथा उसकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यवाहक कुलसचिव प्रो श्वेता सिंह ने कहा कि यह पौधारोपण अभियान महिला विवि के संबद्ध महाविद्यालयों में भी चलाया जाएगा। इस दौरान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार प्रो हवा सिंह, बहन कमला देवी, चीफ वार्डन डॉ सुमन दलाल, निदेशक जनसंपर्क ले. कर्नल (डॉ) अनिल बल्हारा सहित विश्वविद्यालय समुदाय के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बॉक्स-

वहीं देशभक्ति की भावना जागृत करने और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत कुलपति प्रो सुदेश ने विवि के शैक्षणिक खंड-1 से तिरंगा यात्रा को रवाना किया। उन्होंने राष्ट्र ध्वज को एक भारत, श्रेष्ठ भारत का प्रतीक बताया। तिरंगा यात्रा के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए। इस दौरान कार्यवाहक कुलसचिव प्रो श्वेता सिंह, चीफ वार्डन डॉ सुमन दलाल सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं छात्राएं मौजूद रहीं।

Tags: ek ped maa ka naam campaign

PREVIOUS ARTICLE
एमडीयू में केफेटेरिया- द फूड ट्रक स्टार्ट-अप का शुभारंभ 15 अगस्त से

NEXT ARTICLE
CM listens grievances of people during Sarkar Tuhaade Dwaar at Jalandhar

RELATED POSTS

भौतिकता की चकाचौंध में अपना मूल लक्ष्य न भूलेः कुलपति प्रो...

हिंदू कॉलेज में मतदान ड्राइव आयोजित

हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली

COMMENTS

Name: Name
Email: Email
Comment: Comment

Post Comment

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Paris Olympics: CAS likely to hear Vinesh Phogat's appeal...

RRP Electronics got nod from Government of Maharashtra...

Kolkata doctor murder: Why Sandip Ghosh was not put on...

Akhilesh opposes Waqf Bill, expresses 'concern' over Speaker's...

16th season of Kaun Banega Crorepati on Sony Entertainment...

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
Poor upbringing of boys to be blamed for incidents like...

Elections in J&K welcome but UT status an affront to people:...

'India need not learn from Pakistan', Khurshid challenges...

IANS Interview: B'desh will turn into another Pak if BNP-Jamaat...

Suffering from high BP? Eating fruits and vegetables may...

IANS Interview: Astonished by Rahul Gandhi's low-level...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

Education

Rich tributes paid to great educationist Bhagat Phool Singh and his daughter Padma Shri Subhashini Devi

BPS Mahila Vishwavidyalaya is a live example of great educationist Bhagat Phool Singh and his daughter Padma Shri Subhashini Devi's sacrifice and inspiration for women's education and empowerment. BPSMV Vice Chancellor Prof. Sudesh expressed these sentiments today while paying tribute to Bhagat Phool Singh on his 82nd martyrdom day and Padma Shri Subhashini Devi on her 110th birth anniversary.

Girish Saini

Sonipat, August 14, 2024: BPS Mahila Vishwavidyalaya is a live example of great educationist Bhagat Phool Singh and his daughter Padma Shri Subhashini Devi's sacrifice and inspiration for women's education and empowerment. BPSMV Vice Chancellor Prof. Sudesh expressed these sentiments today while paying tribute to Bhagat Phool Singh on his 82nd martyrdom day and Padma Shri Subhashini Devi on her 110th birth anniversary.

Addressing the Sanskar Samman program as the chief guest, VC Prof. Sudesh said that the university administration is constantly striving to fulfill the objective of women's education and empowerment with academic excellence and coordination.

The Vice Chancellor called upon the university community to work with team spirit and give their best. She cited the example of Olympic winner Manu Bhaker and inspired the students to hone their talent and reach heights of success.

The program began with lamp lighting and Saraswati Vandana. Thereafter, the students brought alive the memories of Bhagat Phool Singh and Padma Shri Subhashini Devi through speech and play. The students also danced to the tunes of patriotic songs.

VC Prof Sudesh also released the magazine - Subhashita, written under the aegis of Padma Shri Subhashini Devi Research Chair. Dean Academic Affairs Prof Sanket Vij, Officiating Registrar Prof Shweta Singh, Prof Ipsita Bansal, Prof Ashok Verma, Prof Ravi Bhushan and Dr Suman Dalal also addressed the program. Dr Mahesh Kaushik conducted the program.

Earlier in the morning, VC Prof Sudesh and Prof Hawa Singh offered sacrifices as the main hosts in the havan-yagya program organized in the university yagyashala. The havan was conducted by Shakuntala Devi with full rituals. The VC and other guests offered floral tributes at the statue of Bhagat Phool Singh and Padma Shri Subhashini Devi. On this occasion, Kamala Devi, Gyanvati, Brahmavati, Sahib Kaur, Dean Academic Affairs Prof Sanket Vij, Officiating Registrar Prof Shweta Singh, Chief Warden Dr Suman Dalal, Deputy Registrar Dr Neelam Malik, Principal of Kanya Gurukul Sumita Singh, Deans of various faculties, Heads of Departments, Professors, Research Scholars, Students, Non-Teaching Staff and Students were present.

Tags: Rich tributes | great educationist Bhagat Phool Singh | Padma Shri Subhashini Devi

« PREVIOUS ARTICLE
VC Prof Sudesh calls upon to join plantation campaign wholeheartedly for betterment...

NEXT ARTICLE »
Honda Motorcycle and Scooter India conducted an impactful road safety awareness...

RELATED POSTS

Central University of Punjab Organizes Two-Day Introduction/Orientation...

Digital Tech as a Catalyst for Sustainable Development

Walkathon on eve Har Ghar Tiranga

COMMENTS

Name

Email

Comment

I'm not a robot

Post Comment

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Paris Olympics: CAS likely to hear Vinesh Phogat's appeal...

RRP Electronics got nod from Government of Maharashtra...

Kolkata doctor murder: Why Sandip Ghosh was not put on...

Akhilesh opposes Waqf Bill, expresses 'concern' over Speaker's...

16th season of Kaun Banega Crorepati on Sony Entertainment...

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
Poor upbringing of boys to be blamed for incidents like...

Elections in J&K welcome but UT status an affront to people...

'India need not learn from Pakistan', Khurshid challenges...

IANS Interview: B'desh will turn into another Pak if BNP-Jamaat...

Suffering from high BP? Eating fruits and vegetables may...

IANS Interview: Astonished by Rahul Gandhi's low-level...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

Terms & Conditions | Privacy Policy

Hindi News

VC Prof Sudesh calls upon to join plantation campaign wholeheartedly for betterment of the environment

Vice Chancellor Prof Sudesh today launched a plantation campaign at Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Under the 'Ek Ped Maa Ke Naam' campaign started by Prime Minister Narendra Modi.

Girish Saini Aug 14, 2024 05:55

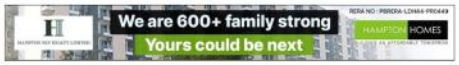

Sonipat, August 14, 2024: Vice Chancellor Prof Sudesh today launched a plantation campaign at Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Under the 'Ek Ped Maa Ke Naam' campaign started by Prime Minister Narendra Modi.

Planting a sapling in the Administration Block lawns, VC Prof Sudesh said that we all have to join the plantation campaign wholeheartedly for the betterment of the environment. She described plantation as the need of the hour in view of the environmental challenges being faced in the present times. VC Prof Sudesh urged the girl students to plant at least one tree and take care of it.

Officiating Registrar Prof Shweta Singh said that this plantation campaign will also be run in the affiliated colleges of Women Varsity. Former Registrar of Kurukshetra University Prof Hawa Singh, Kamala Devi, Chief Warden Dr Suman Dalal, Director Public Relations Lt. Colonel (Dr) Anil Balhara and other staff members were present on the occasion.

VC Prof Sudesh also flagged off the Tiranga Yatra from the Academic Block-1 of the university under the Har Ghar Tiranga Abhiyan, which is being run with the aim of inculcating the spirit of patriotism and promoting awareness about the Indian national flag. The Vice Chancellor said that the national flag Tricolor represents the pride of India. The girl students enthusiastically raised the slogans of Bharat Mata Ki Jai and Vande Mataram during the Tiranga Yatra.

Tags: VC Prof Sudesh | plantation campaign | betterment of environment

PREVIOUS ARTICLE
Tata Steel West Bokaro Division Onboards Employees with Disabilities

NEXT ARTICLE
Rich tributes paid to great educationist Bhagat Phool Singh and his daughter Padma...

RELATED POSTS

भौतिकता की चकाचौंध में अपना मूल लक्ष्य न भूलें: कुलपति प्रो...

हिंदू कॉलेज में मतदान ड्राइव आयोजित

हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली

COMMENTS

Name
Email
Comment

I'm not a robot

Post Comment

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Paris Olympics: CAS likely to hear Vinesh Phogat's appeal...

RRP Electronics got nod from Government of Maharashtra...

Kolkata doctor murder: Why Sandip Ghosh was not put on...

Akhilesh opposes Waqf Bill, expresses 'concern' over Speaker's...

16th season of Kaun Banega Crorepati on Sony Entertainment...

FOLLOW US

Facebook
X (Twitter)
Linkedin
Youtube
Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
Poor upbringing of boys to be blamed for incidents like...

Elections in J&K welcome but UT status an affront to people:...

'India need not learn from Pakistan', Khurshid challenges...

IANS interview: B'desh will turn into another Pak if BNP-Jamaat...

Suffering from high BP? Eating fruits and vegetables may...

IANS interview: Astonished by Rahul Gandhi's low-level...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

विद्वता का मानदंड अंग्रेजी नहीं, संस्कृत भाषा हो : डॉ. कौशल

महिला विश्वविद्यालय में तीन दिन का संस्कृत समारोह पूर्ण

गोहाना मुद्रिका, 14 अगस्त : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत सप्ताह-2024 के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय संस्कृत समारोह संपन्न हो गया।

समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ सी.डी.एस. कौशल पहुंचे। अध्यक्षता डीन आर्ट एंड लैंग्वेजेज प्रो अशोक वर्मा ने की। मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो विभा अग्रवाल रही। इस अवसर पर 'आधुनिक संस्कृत साहित्य में महिलाओं का योगदान' विषय पर एक व्याख्यान भी आयोजित किया गया।

डॉ सी.डी.एस. कौशल ने संस्कृत में बोलचाल को व्यक्तित्व विकास में सहायक बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृत का अध्ययन अनिवार्य होना चाहिए। डॉ कौशल ने कहा कि आजकल विद्वता का मानदंड अंग्रेजी भाषा को बना दिया गया है, लेकिन भारतीय संदर्भ में यह मानदंड संस्कृत भाषा होनी चाहिए। उन्होंने उपस्थित छात्राओं को जीवन में कम से कम तीन भाषाएं सीखने के लिए प्रेरित किया।

प्रो अशोक वर्मा ने कहा कि ज्ञान की प्राप्ति श्रद्धा के बगैर संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि अपनी जिज्ञासा बनाए रखें और अपने अंदर के विद्यार्थी को मरने न दें। प्रो अशोक वर्मा ने साहित्य को भाषाओं के बंधन से परे बताया। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वे आधुनिकता की चकाचौंध में अपनी जड़ों से न कटें।

प्रो विभा अग्रवाल ने संस्कृत साहित्य के काल विभाजन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्कृत साहित्य रचना में महिलाओं के योगदान को कम नहीं समझना चाहिए। उन्होंने ने संस्कृत साहित्य में सशक्त योगदान देने वाली महिला साहित्यकारों का उल्लेख भी किया।

इस तीन दिवसीय संस्कृत समारोह के प्रथम दिन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता तथा दूसरे दिन श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया पोस्टर मेकिंग में सुशिता ने प्रथम, सुमन ने दूसरा व रोमी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा महक व सपना को सांत्वना पुरस्कार मिला। वहीं, श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में अनु ने प्रथम, नेहा ने दूसरा व पावनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा सोनिया व विनीता को सांत्वना पुरस्कार मिला।